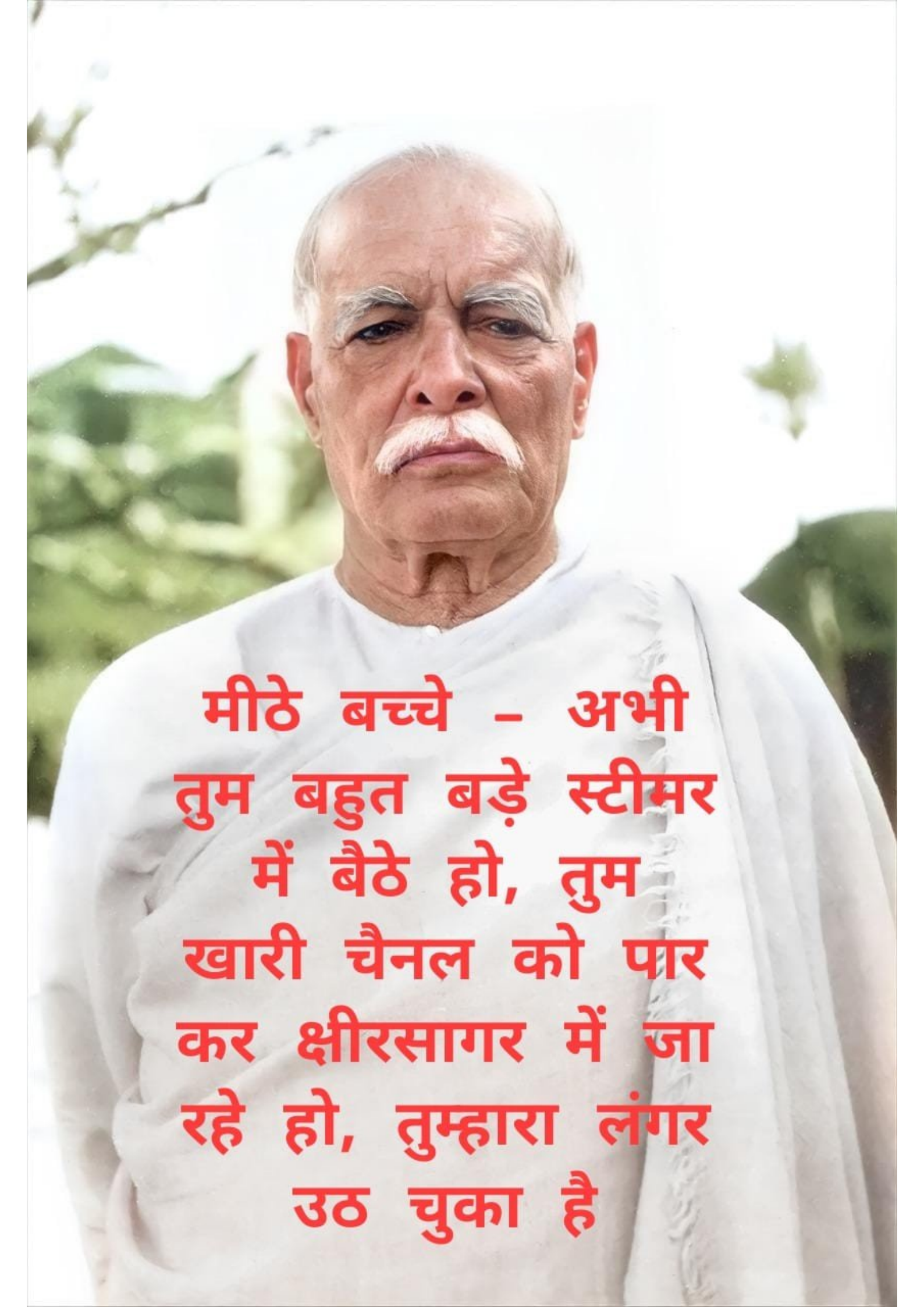


ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...



मीठे बच्चे - अभी
तुम बहुत बड़े स्टीमर
में बैठे हो, तुम
खारी चैनल को पार
कर क्षीरसागर में जा
रहे हो, तुम्हारा लंगर
उठ चुका है



जैसे दूसरों से काम कराते हो ना। उस
समय अपने को अलग समझते हो। वैसे
शरीर से काम कराते हुए भी कराने वाली
मैं आत्मा अलग हूँ, यह प्रैक्टिस करो।

**“मैं इस बारे में सब कुछ जानता हूँ”
कहने का अहंकार हमारे लिए किसी
भी मामले में नहीं होना चाहिए।**



बच्चों के भाग्य की रेखायें

बापदादा- 13.11.1997

आज भाग्य विधाता बाप अपने श्रेष्ठ भाग्यवान बच्चों को देख रहे हैं। हर एक बच्चे के भाग्य की रेखायें देख-देख भाग्य विधाता बाप भी हर्षित होते हैं क्योंकि सारे कल्प में चक्र लगाओ तो आप जैसा श्रेष्ठ भाग्य किसी धर्म आत्मा, महान आत्मा, राज्य अधिकारी आत्मा, किसी का भी इतना बड़ा भाग्य नहीं है, जितना आप संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का है। मस्तक से अपने भाग्य की रेखाओं को देखते हो? बापदादा हर एक बच्चों के मस्तक में चमकती हुई ज्योति की श्रेष्ठ रेखा देख रहे हैं। आप सभी भी अपनी रेखायें देख रहे हो? नयनों में देखो तो स्नेह और शक्तिकी रेखायें स्पष्ट हैं। मुख में देखो मधुर श्रेष्ठ वाणी की रेखायें चमक रही हैं। होठों पर देखो रूहानी मुस्कान, रूहानी खुशी की झलक की रेखा दिखाई दे रही है। हृदय में देखो वा दिल में देखो तो दिलाराम के लव में लवलीन रहने की रेखा स्पष्ट है। हाथों में देखो दोनों ही हाथ सर्व खजानों से सम्पन्न होने की रेखा देखो, पांवों में देखो हर कदम में पदम की प्राप्ति की रेखा स्पष्ट है। कितना बड़ा भाग्य है!

ओम्
शान्ति

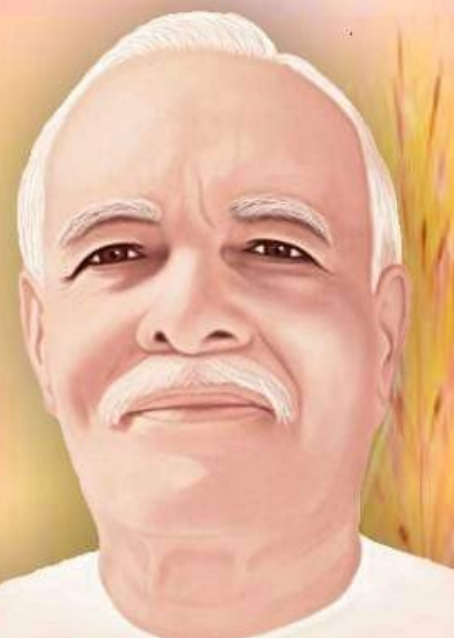
सच्चे साथी का साथ

कोई भी काम है
पहले शिवबाबा की याद आये
क्योंकि सच्चा मित्र बाबा है
सच्चे साथी का साथ लेंगे
तो सहज ही सर्व से न्यारे
और प्यारे बन जायेंगे



परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti



Join Brahma Kumaris

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

परमात्म इशारे

हमें ऊधव नहीं बनना,
वह ज्ञान सुनाने वाला था ...

हमें गोपी बनना है,
क्योंकि भगवान से प्रेम करने वाली
गोपियाँ हैं।

CH. 1221



CH. 1087



CH. 1065



Peace of Mind

CH. 678

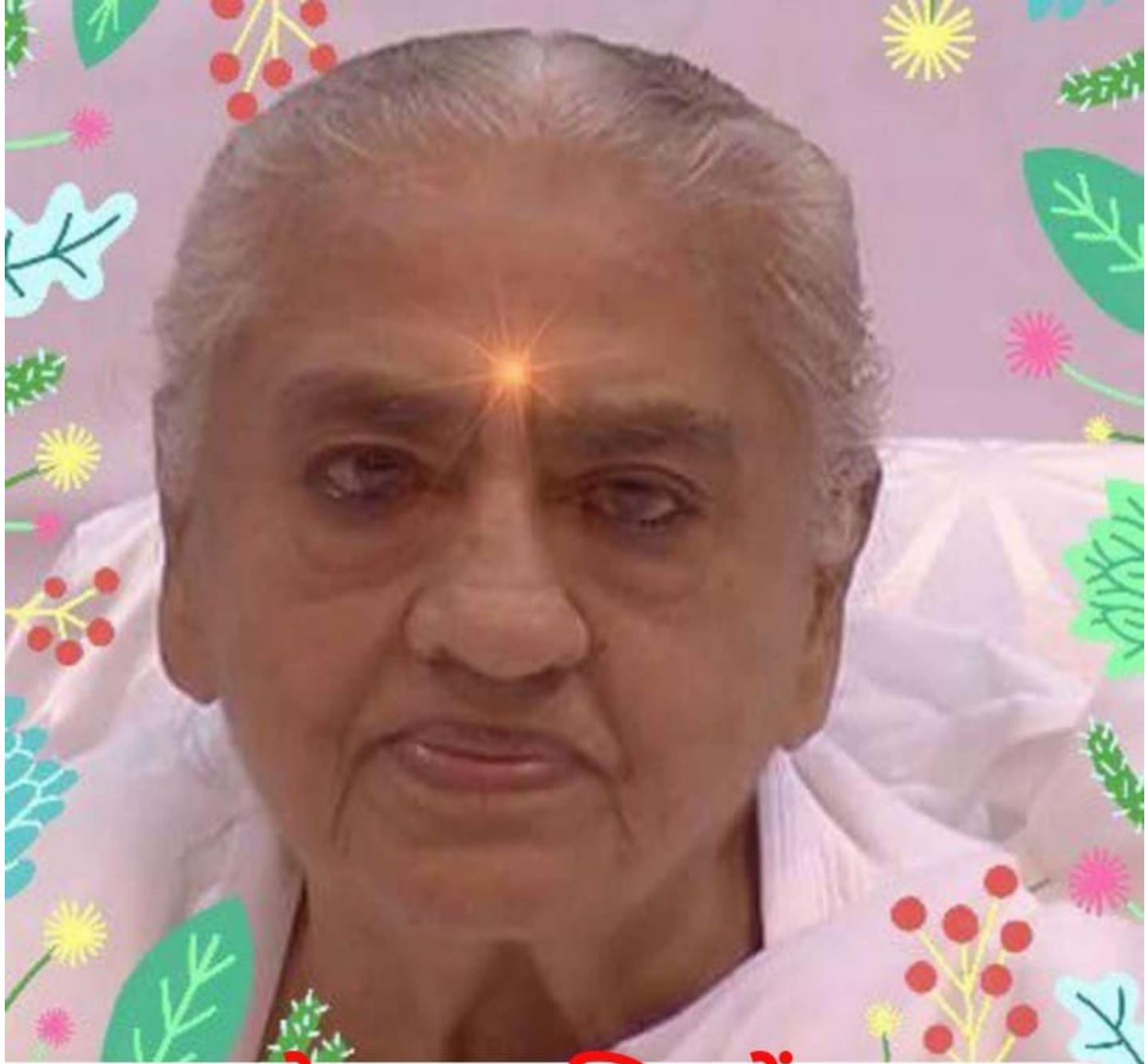


CH. 496



CH. 1065





**स्लोगन:-बुद्धि में
ज्ञान रत्नों को
ग्रहण करना
और कराना ही
होलीहंस बनना
है**



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org